सीएम ने किया एआई इम्पैक्ट समिट का अवलोकन

नीवक्लाउड के सीईओ से किया संवाद

भोपाल, 20 फरवरी. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट-2026 नई दिल्ली में नीवक्लाउड के प्रदर्शनी स्टॉल का अवलोकन किया. साथ ही नीवक्लाउड के फाउंडर एवं सीईओ नरेन्द्र सेन से कंपनी की गतिविधियों एवं भावी योजनाओं की जानकारी ली.

डॉ. यादव को श्री सेन ने बताया कि नीवक्लाउड की स्थापना भारत को तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से की गई है. कंपनी स्वदेशी एआई और क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित कर रही है, जिससे देश का डेटा देश में ही सुरक्षित रह सके. नीवक्लाउड और रैकबैंक के साथ वर्तमान में 150 से अधिक कुशल प्रोफेशनल्स कार्यरत हैं, जो इंजीनियरिंग, एआई, क्लाउड, डेटा सेंटर ऑपरेशंस और रिसर्च के क्षेत्र में योगदान दे रहे हैं.

श्री सेन ने बताया कि कंपनी स्वदेशी एआई चिप के विकास की दिशा में भी कार्य कर रही है. इसका उद्देश्य विदेशी निर्भरता कम करना, संवेदनशील डेटा को देश में सुरक्षित रखना और रणनीतिक तकनीक पर भारत का नियंत्रण सुनिश्चित करना है. अब तक 700 करोड़ रुपये का निवेश सुरक्षित किया जा चुका है और आगामी पाँच वर्षों में 10 हजार करोड़ रुपये का निवेश भारत में एआई इंफ्रास्ट्रक्चर, डेटा सेंटर्स और सेमीकंडक्टर तकनीक के विकास के लिए प्रस्तावित है. रैकबैंक के माध्यम से ऊर्जा-कुशल और हाई-डेंसिटी एआई डेटा सेंटर्स स्थापित किए जा रहे हैं, जिससे रोजगार सृजन और स्किल डेवलपमेंट को बढ़ावा मिल रहा है.

उन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में एआई, क्लाउड और डेटा इंफ्रास्ट्रक्चर की महत्वपूर्ण भूमिका है. इस प्रकार के नवाचार देश को डिजिटल क्षेत्र में सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे.

> मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जेनस्पार्क एआई के वैश्विक जीटीएम प्रमुख श्री ब्रेनो मेलो से वन-टू-वन बैठक कर राज्य में समाधान प्रदाता के रूप में उनकी भूमिका, उपलब्ध तकनीकी समाधानों के उपयोग और एमओयू के अनुरूप पायलट प्रोग्राम प्रारंभ करने पर चर्चा की. सर्वम एआई के सह-संस्थापक डॉ. प्रत्युष कुमार से वन-टू-वन बैठक में फुल-स्टैक सॉवरेन एआई मॉडल विकसित करने, स्टार्टअप्स और डेवलपर्स के लिए मजबूत इकोसिस्टम तैयार करने पर चर्चा की.

इसके साथ ही एआई समिट में डॉ. यादव ने विभिन्न अग्रणी वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनियों के वरिष्ठ नेतृत्वकर्ताओं के साथ वन-टू-वन संवाद किया. एनवीडिया की उपाध्यक्ष (ग्लोबल एआई इनिशिएटिव्स) सुश्री कैलिस्टा रेडमंड से पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप की स्थापना, स्टार्टअप्स को सब्सिडी दरों पर जीपीयू उपलब्ध कराने, स्थानीय साझेदारों को सशक्त बनाने के लिए सहयोग तंत्र विकसित करने और तकनीकी टूल्स, संसाधन और लाइब्रेरी उपलब्ध कराने पर चर्चा की. इस अवसर पर राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे.

गूगल पेवेलियन का किया आवलोकन

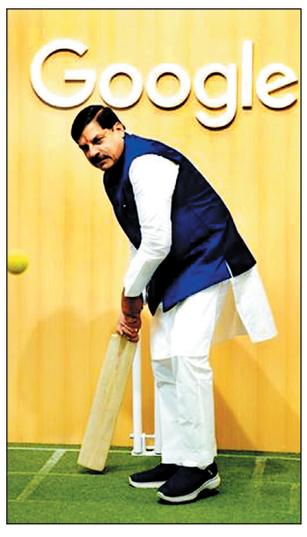

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गूगल पेवेलियन का अवलोकन किया. उन्होंने कंट्री डायरेक्टर आशीष वाटल एवं कंपनी के वरिष्ठ नेतृत्व के साथ उच्च-स्तरीय संवाद किया. एआई, संवर्धित वास्तविकता (एआर) और आभासी वास्तविकता (वीआर) सहित मानचित्र-आधारित प्रौद्योगिकियों के माध्यम से मध्यप्रदेश में पर्यटन नवाचार को सुदृढ़ करने की संभावनाओं पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ. चर्चा में पुरातात्विक एवं धरोहर स्थलों के सजीव आभासी भ्रमण, व्यक्तिगत यात्रा अनुभवों का सृजन, वास्तविक समय यात्री सहभागिता, एआई-संचालित गंतव्य विश्लेषण और सतत पर्यटन विकास जैसे विषय प्रमुख रहे. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एआई-संचालित क्रिकेट इंस्टॉलेशन का भी अनुभव किया, जहाँ वास्तविक समय विश्लेषण के माध्यम से खेल प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन सुधार में एआई की उपयोगिता का प्रदर्शन किया गया.

प्रदेश में मौसम में बदलाव किसानों की चिंता बढ़ी

भोपाल, 20 फरवरी. मध्य प्रदेश में मौसम एक बार फिर करवट ले चुका है. साइक्लोनिक सर्कुलेशन और पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टरबेंस) की संयुक्त सक्रियता के कारण प्रदेश के कई जिलों में तेज आंधी, बारिश और ओलावृष्टि हुई.

इस मौसम के बदलते रुख ने खेतों में खड़ी फसलें बर्बाद कर दी हैं, जिससे किसानों की चिंता बढ़ गई है. प्रशासन ने फसलों के नुकसान का आकलन करने के लिए सर्वे शुरू कर दिया है.

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, प्रदेश के ऊपर चक्रवाती परिसंचरण और ट्रफ लाइन सक्रिय थी, जिसके कारण पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव भी देखने को मिला. इसने बादल बनने और बारिश-ओलावृष्टि का कारण बना. इसके अलावा उत्तर भारत से आ रही ठंडी हवाओं ने दिन के तापमान को गिरा दिया, जिससे हल्की ठंड लौट आई. हालांकि, रात का तापमान बढ़ने की संभावना बनी हुई है. फरवरी के महीने में यह तीसरी बार है जब प्रदेश में बारिश और ओलावृष्टि हो रही है. इससे पहले 18 फरवरी को भी ऐसी ही स्थिति थी, जिसके कारण फसलें प्रभावित हुईं. अब मौसम विभाग ने 23-24 फरवरी के बीच फिर से बारिश का पूर्वानुमान जताया है.

बारिश, आंधी और ओलावृष्टि का असर

पिछले 24 घंटों में प्रदेश के 25 जिलों के 80 से ज्यादा शहरों और कस्बों में बारिश दर्ज की गई. धार, श्योपुर, शिवपुरी, इंदौर, उज्जैन, मुरैना, ग्वालियर, भोपाल और रतलाम जैसे प्रमुख जिलों में तेज हवाओं और ओलावृष्टि ने फसलों को काफी नुकसान पहुंचाया. श्योपुर में आंधी की रफ्तार 63 किमी प्रति घंटा तक रही, जबकि नालछा क्षेत्र में 1 इंच बारिश रिकॉर्ड की गई. कई जगहों पर ओले भी गिरे, जिससे गेहूं, चना और अन्य रबी फसलों को नुकसान हुआ.

6 माह बाद भी दो नाबालिग बच्चियों का सुराग नहीं लगा पाई पुलिस

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 20 फरवरी. वरिष्ठ सदस्य सोहन लाल बाल्मीक ने शुक्रवार को विधानसभा में छिंदवाड़ा जिले के ग्राम अम्बाड़ा निवासी गुमशुदा नाबालिग बच्चियों का मामला ध्यानाकर्षण के माध्यम से उठाया.

उन्होंने कहा कि पुलिस 6 माह भी बाद नाबालिग बच्चियों का सुराग नहीं लगा पाई है. छिंदवाड़ा और पांढुर्ना जिले में बच्चियों के गुम होने की लगातार घटनाएं हो रही है. अकेले छिंदवाड़ा जिले में ही 966 बच्चियां गुम हो गई है, जिसे पुलिस अब तक नहीं खोज सकी है. इस पर मुख्यमंत्री की ओर से जवाब देते हुए राज्य मंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने कहा कि इस मामले में जांच के लिए विशेष टॉस्क फोर्स का गठन कर दिया गया है. उन्होंने कहा कि नाबालिग बच्चियों की गुमशुदगी के मामले में तत्काल कार्रवाई शुरू कर दी जाती है. उन्होंने बताया कि मामले में 14 जुलाई को गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी, उसके बाद मामले की लगातार जांच की जा रही है. 16 जुलाई को ही दो नई विशेष टीमें गठित कर दी गई है और एक टीम को इंदौर और दूसरी टीम को नागपुर रवाना किया गया है और संभावित स्थलों पर तलाश की.

कांग्रेसियों के अर्धनग्न प्रदर्शन पर कड़ी प्रतिकिया

कांग्रेस और राहुल गांधी इस कृत्य के लिए देश से माफी मांगें : भाजपा

भोपाल, 20 फरवरी.भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने दिल्ली में एआई समिट के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं के अर्धनग्न प्रदर्शन पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत तकनीकी नवाचार के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रहा है और वैश्विक मंच पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहा है.

वहीं कांग्रेस और राहुल गांधी के समर्थक किसी न किसी तरीके से देश को अपमानित करने का काम कर रहे हैं. कांग्रेस के द्वारा दिल्ली में अर्धनग्न होकर प्रदर्शन करना, न

केवल कांग्रेस बल्कि समूचे देश के लिए शर्म की बात है. इस प्रकार के प्रदर्शन से पूरे राष्ट्र का सिर शर्म से झुका है. प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा को कांग्रेस नहीं पचा पा रही है. यह शर्मनाक प्रदर्शन राहुल गांधी की राजनीतिक अपरिपक्वता और नेतृत्व की कमी को दर्शाता है. जिस समय देश सम्मान पा रहा था, तब कांग्रेस और राहुल गांधी के समर्थक केवल देश को अपमानित करने में लगे हुए थे. उन्होंने कहा कि इसके लिए कांग्रेस और राहुल गांधी को माफी मांगना चाहिए.

> **दुनिया जब देश का सम्मान करती है तो कांग्रेसी करते हैं अपमान : खण्डेलवाल**
>
> भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि दिल्ली में आयोजित एआई समिट का आयोजन पूरे राष्ट्र के लिए गर्व का विषय है, जिसमें 100 से अधिक देशों, वैश्विक मल्टीनेशनल कंपनियों के सीईओ और 20 से अधिक राष्ट्राध्यक्षों की भागीदारी ने भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा को दर्शाया है. इस ऐतिहासिक आयोजन में भारत की नेतृत्व क्षमता और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प की झलक मिली है. जहां एक ओर भारत को वैश्विक मंच पर सम्मान मिल रहा है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश जब दुनिया भर से सम्मान प्राप्त करता है, तब कांग्रेस और राहुल गांधी के समर्थक हर बार देश का अपमान करने के लिए कोई न कोई नया कृत्य करते हैं.

पुलिस का वाहनचालक रिश्वत लेते गिरफ्तार

रीवा. जिले के सेमरिया थाना अन्तर्गत आने वाले चचाई पुलिस चौकी प्रभारी एएसआई के वाहन चालक को लोकायुक्त टीम ने उस समय 30 हजार रुपए लेते धरदबोचा जब वह एएसआई के कहने पर रिश्वत की राशि लेने पहुंचा था. शिकायत में समझौता कराने के एवज में एक लाख की रिश्वत एएसआई ने मांगी थी. आरोपी एएसआई एवं वाहन चालक के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया गया है. लोकायुक्त से मिली जानकारी के मुताबिक शिकायतकर्ता शिव कुमार कोल निवासी चचाई द्वारा लोकायुक्त एसपी कार्यालय में शिकायत की थी कि झगड़े का मामला निपटाने के लिए पुलिस कर्मचारी रिश्वत की मांग कर रहे हैं.

बेटे ने दो दोस्तों के साथ अपने ही घर में की चोरी, 3 गिरफ्तार

नीमच, 20 फरवरी. नीमच के हनुमंतिया व्यास में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक पिता ने अपनी गाड़ी चोरी की रिपोर्ट लिखवाई और पुलिस जांच में उसका अपना ही 19 साल का बेटा चोर निकला.

फरियादी जितेंद्र नागदा ने कुछ दिनों पहले थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनके घर से ट्रैक्टर, कार और बाइक चोरी हो गई है. उन्होंने अपनी शिकायत में बेटे के दोस्तों पर शक जताया था. इस शिकायत पर थाना प्रभारी पुष्पा सिंह चौहान ने मामले की जांच शुरू की. पुलिस को जांच के दौरान जितेंद्र के बेटे दीपेश पर शक हुआ,

जिसके बाद उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की गई. सख्ती बरतने पर दीपेश ने सच उगल दिया और माना कि चोरी की पूरी साजिश उसी ने रची थी. दीपेश ने पुलिस को बताया कि उसने बरखेड़ा सिंधिया के सतीश और दोबद के योगेश के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया था. पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया और उनके पास से चोरी का ट्रैक्टर और कार बरामद कर ली है.

पेज एक का शेष

सदन में लगातार दूसरे दिन भागीरथपुरा मामले में हंगामा

यहां काम करने में परेशानी आती है. हमने घटना के बाद दो ट्रक नारियल पानी भिजवाया, तीन रात सोया नहीं, हाथ जोड़कर निजी अस्पतालों में इलाज सुनिश्चित कराया. सीएम ने भी संदेश दे दिया था कि प्रभावितों का नि:शुल्क इलाज कराया जाएगा. फिर भी हम 22 लोगों की जान नहीं बचा सके. लापरवाही करने वालों को तत्काल हटाया गया. उन्होंने स्वीकार किया कि समय पर पैसा दिया, संसाधन दिया लेकिन समय पर काम नहीं हो सका. घटना के बाद इंदौर की सभी पानी टंकियों को साफ कराया गया, प्रदेश स्तर पर कंट्रोल रूम बनाया गया. भागीरथपुरा में 13 किमी लंबी लाइन का काम पूरा कर दिया गया है, 16 किमी की लाइन और बिछा रहे हैं. उन्होंने कहा कि इंदौर गिरकर उठना जानता है. इस दाग से भी हम उबर जाएंगे. इंदौर पहले भी नंबर वन था, अब भी है और आगे भी रहेगा. उन्होंने कहा कि इस मामले में स्थगन को ग्राह्य करने की आवश्यकता नहीं है. इसी बीच पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सीतासरन शर्मा ने पाइंट ऑफ आर्डर का मामला उठाते हुए कहा कि सवाल नियम का नहीं व्यवस्था का है. ये मामला सब ज्यूडियश है. पांच रिट पिटीशन दायर है. ऐसे मामले को सदन में उठाने की अनुमति नहीं दी जा सकती जो कि न्यायिक या अर्ध न्यायिक है. इस पर कांग्रेस के उप नेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे ने जानना चाहा कि सीतासरश शर्मा किस नियम के तहत पाइंट ऑफ आर्डर का मामला उठा रहे हैं.

चर्चा में हिस्सा लेते नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि पूरा सत्ता पक्ष इस बात में लगा है कि सदन में चर्चा नहीं हो, लेकिन उन प्रभावित परिवारों से जाकर पूछो कि क्या वे चर्चा चाहते हैं या नहीं. मंत्री ने सिस्टम की गलती स्वीकारी है, तो क्या ये गलती केवल अफसरों की है, इसके लिए कोई मंत्री, नेता जिम्मेदार नहीं है. इंदौर में लगातार घोटाले हो रहे हैं, यहां एक रात में 5 किमी सीवेज लाइन बिछा दी जाती है. बिना काम के 27 करोड़ का भुगतान कर दिया जाता है.

फुलवारी

रंग भरो

बिंदु मिलाओ

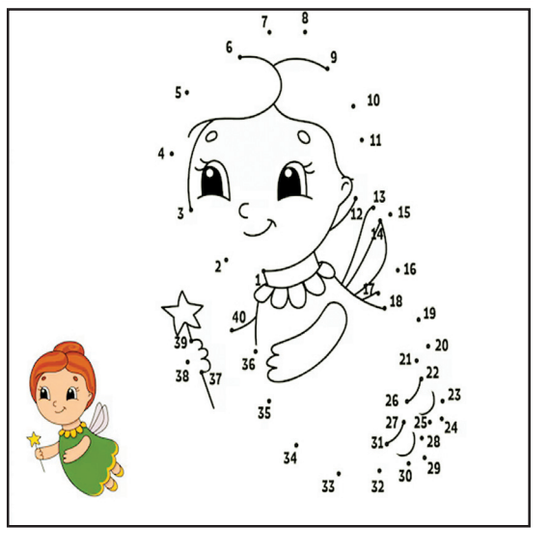

जानकारी

आधुनिक युग का चमत्कार : कंप्यूटर

कंप्यूटर एक इलेक्ट्रॉनिक मशीन है जो हमारे द्वारा दी गई जानकारी को समझकर बहुत तेज़ी से काम करता है. यह गणित के सवाल हल कर सकता है, कहानियाँ टाइप कर सकता है, चित्र बना सकता है और गेम भी खेल सकता है. आज के समय में कंप्यूटर हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है. बच्चे पढ़ाई, प्रोजेक्ट बनाने और नई-नई जानकारियाँ खोजने के लिए कंप्यूटर का उपयोग करते हैं.

कंप्यूटर के मुख्य भाग होते हैं - मॉनिटर, कीबोर्ड, माउस और सीपीयू. मॉनिटर वह स्क्रीन है जिस पर हमें शब्द और चित्र दिखाई देते हैं. कीबोर्ड की मदद से हम टाइप करते हैं. माउस से हम स्क्रीन पर चीज़ों को चुनते और खोलते हैं. सीपीयू को कंप्यूटर का 'दिमाग' कहा जाता है क्योंकि वही सभी कामों को नियंत्रित करता है और हमारी दी हुई जानकारी को प्रोसेस करता है.

कंप्यूटर कई प्रकार के होते हैं, जैसे डेस्कटॉप, लैपटॉप और टैबलेट. पहले कंप्यूटर बहुत बड़े होते थे, लेकिन अब वे छोटे और हल्के हो गए हैं. आजकल स्कूलों, बैंकों, अस्पतालों और दफ्तरों में कंप्यूटर का उपयोग होता है. डॉक्टर मरीजों की रिपोर्ट देखने के लिए और बैंक कर्मचारी पैसों का हिसाब रखने के लिए कंप्यूटर का इस्तेमाल करते हैं.

कंप्यूटर बहुत उपयोगी है, लेकिन हमें इसका सही तरीके से उपयोग करना चाहिए. बहुत ज्यादा समय तक स्क्रीन देखने से आँखों पर असर पड़ सकता है. इसलिए पढ़ाई और मनोरंजन के साथ-साथ खेलना और व्यायाम करना भी जरूरी है.

इस प्रकार, कंप्यूटर एक समझदार और मददगार मशीन है जो हमारे काम को आसान और तेज़ बनाती है. अगर हम इसका सही उपयोग करें, तो यह हमारा सच्चा डिजिटल दोस्त बन सकता है.

बिजली के रोचक तथ्य

- बिजली प्राकृतिक रूप से बादलों में बनती है.
- यह बहुत तेज़ चलती है, लगभग प्रकाश की गति के बराबर.
- इसका आविष्कार नहीं हुआ, बल्कि खोज की गई.
- बैटरी भी बिजली पैदा करती है.
- पंखा, टीवी, कंप्यूटर और फ्रिज बिजली से चलते हैं.
- इलेक्ट्रिक ईल जैसी मछलियाँ भी बिजली उत्पन्न कर सकती हैं.
- भारत का पहला बिजली घर 1897 में दार्जिलिंग में बना.
- बिजली को हम देख या छू नहीं सकते, केवल असर महसूस कर सकते हैं.
- बिजली की बचत करना जरूरी है, इससे पर्यावरण और पैसा दोनों बचता है.

प्रेरक प्रसंग

चंद्रगुप्त मौर्य : एक महान राष्ट्र निर्माता

चंद्रगुप्त मौर्य प्राचीन भारत के महान सम्राटों में से एक थे. उन्होंने न केवल एक विशाल साम्राज्य की स्थापना की, बल्कि मजबूत प्रशासन और सुव्यवस्थित शासन की नींव भी रखी. उनका जीवन संघर्ष, दूरदर्शिता और संगठन शक्ति का अद्भुत उदाहरण है.

सबसे महत्वपूर्ण कार्य था मौर्य साम्राज्य की स्थापना. उस समय उत्तर भारत कई छोटे-छोटे राज्यों में बँटा हुआ था. चंद्रगुप्त ने अपने गुरु कौटिल्य के मार्गदर्शन में नंद वंश को पराजित कर लगभग 322 ईसा पूर्व मगध पर अधिकार कर लिया. इसके साथ ही एक शक्तिशाली और संगठित साम्राज्य की शुरुआत हुई.

उनका दूसरा बड़ा कार्य था राजनीतिक एकीकरण. उन्होंने उत्तर-पश्चिम भारत तक अपना विस्तार किया और सिकंदर के बाद वहाँ शासन कर रहे यूनानी शासकों को पराजित किया. बाद में उनका युद्ध के बाद संधि हुई, जिसमें चंद्रगुप्त को अफगानिस्तान और बलूचिस्तान के कुछ क्षेत्र मिले. इस संधि से उनके साम्राज्य की सीमाएँ और मजबूत हुईं.

चंद्रगुप्त का सबसे प्रशंसनीय कार्य था सुदृढ़ प्रशासनिक व्यवस्था. उन्होंने एक केंद्रीकृत शासन प्रणाली स्थापित की. राज्य को कई प्रांतों में बाँटा गया, जहाँ अधिकारियों की नियुक्ति की गई. कर वसूली, न्याय व्यवस्था और सेना — सभी के लिए अलग-अलग विभाग बनाए गए. प्रशासन में अनुशासन और पारदर्शिता बनाए रखने पर विशेष ध्यान दिया गया.

उनकी सेना भी अत्यंत शक्तिशाली थी. कहा जाता है कि उनकी सेना में हजारों पैदल सैनिक, घुड़सवार, रथ और हाथी शामिल थे. यह सेना न केवल विस्तार के लिए, बल्कि आंतरिक शांति बनाए रखने के लिए भी महत्वपूर्ण थी. मजबूत सेना के कारण ही उनका साम्राज्य सुरक्षित और स्थिर बना रहा.

आर्थिक क्षेत्र में भी उन्होंने महत्वपूर्ण कार्य किए. कृषि को बढ़ावा दिया गया, सिंचाई व्यवस्था सुधारी गई और व्यापार मार्गों को सुरक्षित बनाया गया. इससे व्यापार और उद्योग को प्रोत्साहन मिला. विदेशी व्यापार भी बढ़ा, जिससे राज्य की आय में वृद्धि हुई.

चंद्रगुप्त ने सामाजिक और धार्मिक सहिष्णुता को भी महत्व दिया. जीवन के अंतिम चरण में उन्होंने

जैन धर्म अपनाया और राज-पाट अपने पुत्र बिंदुसार को सौंप दिया. कहा जाता है कि उन्होंने अपना अंतिम समय साधु के रूप में बिताया.

समग्र रूप से देखा जाए तो चंद्रगुप्त मौर्य केवल विजेता ही नहीं, बल्कि कुशल प्रशासक और राष्ट्र निर्माता भी थे. उनके द्वारा स्थापित प्रशासनिक ढाँचे और राजनीतिक एकता ने आगे चलकर भारत के इतिहास को नई दिशा दी.